अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

CDS बिपिन रावत को PM मोदी ने दी श्रद्धांजलि | वर्ष–10 अंक–251 | R.N.I.- UPHIN/2012/45127 | लखनऊ | शुक्रवार 10 दिसम्बर 2021 | पृष्ठ – 8 | मूल्य–3 रूपया | CDS बिपिन रावत को PM मोदी ने दी श्रद्धांजलि

संक्षिप्त समाचार

अवैध तमंचे के साथ शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

जनपद उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व श्रीक्षेत्राधिकारी महोदय नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर में आयोजित प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित मातृत्व दिवस कोविड टीकाकरण का निरीक्षण करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जे आर सिंह, जिला स्वास्थ शिक्षा सूचना अधिकारी लाल बहादुर यादव। निरीक्षण के समय तक 80 लोगों का कोविड टीकाकरण किया गया।मौके पर उपस्थित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार,स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राज कुमार,फार्मासिस्ट सन्तोष कुमार, बी पी एम गौरव चौधरी को निर्देश दिए गए कि प्रथम एवं द्वितीय डोज के सभी लोगों को प्रतिरक्षित किया जाए। आयुष्मान भारत के अंतर्गत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों एवं अंत्योदय कार्ड धारकों का शत–प्रतिशत आयुष्मान कार्ड कोटेदारो, वी एल ई से सम्पर्क कर बनवाना सुनिश्चित करें।

भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री अयोध्या में रामलला के दर्शन करने जाएंग

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले काशी कॉरिडोर को मेगा शो बनाने में भाजपा पूरी ताकत से जुटी है। बनारस में आने वाले सभी भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री अयोध्या में रामलला के दर्शन करने जाएंगे। उनके साथ उनकी पत्नियां भी मौजूद रहेंगी। यह कार्यक्रम 14 दिसम्बर को रखा गया है। सरकार की कोशिश वाराणसी की धार्मिक गरिमा को स्थापित करने के साथ–साथ उसे एक अत्याधुनिक वैचारिक केंद्र के रूप में उभारने की है। कॉरिडोर के लोकार्पण के अगले दिन 14 दिसंबर को भाजपा के मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन होगा।

योगी सरकार की कड़ी कार्रवाई में 127 करोड़ की कर चोरी में वाणिज्यकर के चार अफसर निलंबित

अवध की आवाज

नोएडा। नोएडा की एक फर्म के साथ मिलीभगत कर 127 करोड़ रुपये की कर चोरी के मामले में योगी सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए वाणिज्य कर विभाग के चार अफसरों को निलंबित कर दिया है। ये चारों अधिकारी विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी), नोएडा में तैनात थे। जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उनमें एडिशनल कमिश्नर ग्रेड–2 धर्मेंद्र सिंह, ज्वाइंट कमिश्नर दिनेश दुबे, डिप्टी कमिश्नर मिथिलेश मिश्रा और असिस्टेंट कमिश्नर सोनिया श्रीवास्तव शामिल हैं। विभाग के अपर मुख्य सचिव संजीव मित्तल ने निलंबन की पुष्टि की है। मामला जनवरी 2020 का है। शासन को यह शिकायत मिली थी कि नोएडा स्थित तंबाकू की एक कंपनी ने बड़े पैमाने पर कर चोरी की है। इस आधार पर शासन ने मामले की प्रारंभिक जांच के निर्देश दिए थे। नोएडा के तत्कालीन एडिशनल कमिश्नर सीबी सिंह ने जांच कर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप

दी थी। इसमें फर्म द्वारा की गई कर चोरी के मामले में एसआईबी में तैनात इन सभी अधिकारियों की लिप्तता पाई गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर शासन ने बृहस्पतिवार को सभी चारों अधिकारियों को निलंबित कर दिया। इनमें से तीन अधिकारी तो अभी भी नोएडा में ही तैनात हैं। वहीं, डिप्टी कमिश्नर मिथिलेश मिश्रा का सहारनपुर तबादला हो चुका है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना मामले की जांच शुरू : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को संसद के दोनों सदनों को बताया कि तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार को हुए हेलीकॉप्टर हादसे की जांच एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह के नेतश्त्व में तीनों सेनाओं के एक दल ने शुरू कर दी है। इस हादसे में देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत सहित 13 लोगों की मश्त्यु हो गई।

राजनाथ सिंह ने पहले लोकसभा और बाद में राज्यसभा में दिये गए अपने बयान में कहा, ''प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत बुधवार को वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के छात्रों से संवाद करने के लिए पूर्व निध्ारित यात्रा पर थे।''

सिंह के अनुसार, '' जनरल रावत ने अपनी पत्नी और 12 अन्य लोगों के साथ सुलुर से एमआई–17वी5 हेलीकॉप्टर से पूर्वाह्न 11 बजकर 48 मिनट पर वेलिंगटन के लिए उड़ान भरी थी। हेलीकॉप्टर को दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर वेलिंगटन में उतरना था। सुलूर वायु यातायात नियंत्रक का 12 बजकर 8 मिनट पर हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया। बाद में कुन्नूर के पास जंगल में स्थानीय लोगों ने आग लगी देखी। मौके पर जाकर उन्होंने हेलीकॉप्टर को आग की लपटों से घिरा देखा जिसके बाद स्थानीय प्रशासन का एक बचाव दल वहां पहुंचा।''

रक्षा मंत्री ने बताया कि हेलीकॉप्टर में से लोगों को निकालकर यथाशीघ्र वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार कुल 14 लोगों में से 13 की मश्त्यु हो गयी जिनमें सीडीएस जनरल रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत भी शामिल हैं। सिंह ने बताया कि अन्य मश्तकों में सीडीएस के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर लखविंदर सिंह लिड्डर, सीडीएस के सैन्य सलाहकार एवं स्टाफ अफसर लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, विंग कमांडर प्रतीक सिंह चौहान, स्क्वाड्रन लीडर कुलदीप सिंह, जूनियर वारंट अधिकारी राणा प्रताप दास, जूनियर अधिकारी अरक्कल प्रदीप, हवलदार सतपाल, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेन्द्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार और लांस नायक वीर साई तेजा शामिल थे। उन्होंने बताया कि ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह वेलिंगटन के सैन्य अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। रक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि दिवंगत सैन्य

कर्मियों के पार्थिव शरीर वायु सेना के विमान से आज शाम तक दिल्ली लाये जाएंगे। जनरल रावत का पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अन्य दिवंगत सैन्य कर्मियों का भी उचित सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी को कल ही दुर्घटना स्थल पर भेज दिया गया था और उन्होंने वहां जाकर स्थिति का जायजा लिया। सिंह ने बताया कि दुर्घटना की जांच के लिए एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में तीनों सेनाओं के एक दल द्वारा जांच किए जाने का आदेश दिया गया है और इस दल ने वेलिंगटन पहुंचकर जांच का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने दिवंगत सैन्यकर्मियों को अपनी और पूरे देश की तरफ से श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। दोनों सदनों में दिवंगत सैन्य कर्मियों के सम्मान में कुछ पलों का मौन रखा गया।

अवैध निर्माण किया सील

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा लखनऊ शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही जारी रखने के निर्देशों के तहत आज की गई कार्यवाही के विषय में जोनल अधिकारीध विहित प्राधिकारी–प्रवर्तन,

जोन–5 रामशंकर ने बताया कि थाना–महानगर के अन्तर्गत उषा चौधरी द्वारा पूर्व में इन्द्रप्रस्थ अपार्टमेण्ट के निकट पी0ए0सी0 कैम्प के सामने महानगर, लखनऊ पर किए गए अवैध निर्माण को सील किया गया था तथा तत्समय सम्बन्धित थाने की पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया था। उषा चौधरी द्वारा चोरी–छुपे काम किये जाने पर विहित प्राधिकारी के आदेश के क्रम में आज उनके अवैध निर्माण को पुनः सील किया गया। उपरोक्त कार्यवाही अवर अभियन्ता भरत पाण्डेय तथा एन0एन0 चौबे द्वारा प्राधिकरण कर्मियों के साथ काफी प्रयास से सील किया गया। प्राधिकरण द्वारा इस अवैध निर्माण के सम्बन्ध में थाना–महानगर में दिनांक 01.12.2021 को एफआईआर दर्ज किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया चुका है।

प्राधिकरण भवन में लगे लोन मेले के अन्तिम दिन 196 आवंटियों ने किया सम्पर्क

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटियों की सुविध्ा के लिए प्राधिकरण भवन में लगाये गये लोन मेले के अन्तिम दिन गुरूवार को कुल 196 आवंटियों ने सम्पर्क किया। जिसमें से 147 आवंटियों ने

पूर्ण दस्तावेज जमा करके गृह ऋण के लिए आवेदन भी कर दिया। विशेष कार्याधिकारी डी. के सिंह ने बताया कि बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा प्राधिकरण भवन में तीन दिवसीय लोन शिविर का आयोजन किया गया था। आज शिविर के अन्तिम दिन प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविर में मौजूद बैंक ऑफ इण्डिया के अधिकारियों द्वारा आवंटियों को गृह ऋण से सम्बन्धित समुचित जानकारी दी गई और मौके पर ही लोगों से फार्म भरवाकर उनके दस्तावेज जमा किये गये। बैंक के मार्केटिंग हेड अमरीश तिवारी ने बताया कि इस योजना के आवंटियों को 3.20 लाख रूपये तक का गृह ऋण दिया जा रहा है। इस तीन दिवसीय लोन मेले में कुल 351 आवंटियों ने गृह ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन किया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटियों की सुविध्ा के लिए भविष्य में भी इस तरह के लोन मेले का आयोजना किया जायेगा।

ब्लॉक संसाधन केंद्र कटरा बाजार पर आयोजित तीन दिवसीय शारदा विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। ब्लॉक संसाधन केंद्र कटरा बाजार पर आयोजित तीन दिवसीय शारदा विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें विभिन्न विद्यालय से आएं शिक्षकों को ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षित करने की विभिन्न प्रकार की गतिविधियों द्वारा ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए व उनके छूटे हुए पाठ्यक्रम को पूरा करने व;उनके पाठ्यक्रम में आने वाली विभिन्न समस्याओं पर चर्चा परिचर्चा की गई व प्रशिक्षित किया गया कि किस प्रकार हम ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं प्रशिक्षण में श्रीमान खंड शिक्षा अधिकारी कटरा बाजार श्री आर पी सिंह द्वारा विशेष उद्बोधन दिया गया तथा बताया गया की ड्रॉपआउट बच्चे भी हमारे समाज का अंग है उनके विशेष प्रशिक्षण की जिम्मेदारी पूर्णता हमारा दायित्व व कर्तव्य बनता है सरकार की मनसा अनुरूप हमें विशेष अभियान

चलाकर ड्रॉपआउट बच्चों का चिन्हित करके उनका नामांकन कराना है प्रशिक्षण में श्री शिव प्रसाद यादव ए आर पी इंग्लिश कटरा बाजार द्वारा बताया गया की शासन द्वारा ड्रॉपआउट बच्चों के लिए 9 माह का एक संघनित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जिसके द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार से शिक्षण करके शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं व ए आर पी भजनलाल द्वारा ड्रॉपआउट बच्चों के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं से अवगत कराया गया तथा निवेदन किया गया कि सभी पात्रों को इन योजनाओं का लाभ अवश्य दिलाया जाए प्रशिक्षक अनिल कुमार पांडे व शिवार्चन सिंह ने अपने–अपने विषयों का प्रशिक्षण दिया व पाठ्यक्रम को रोचक ढंग से पढ़ाने की विभिन्न गतिविधियां कराई प्रशिक्षण में श्री महेश्वर बक्स सिंह, दिनेश बाबू, दिनेश शर्मा, रंजीत यादव, श्री कृष्ण गोपाल नायक, नरेंद्र सिंह, मुरली मनोहर शुक्ला, इंद्रसेन मिश्रा, श्रीमती माया देवी,साकेत मिश्रा, अरविंद कुमार शुक्ला जी का विशेष प्रतिभाग रहा।

उ0प्र0 सरकार के मा0 उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं को किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

सीतापुर (सू0वि0) मा0 उप मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने जनपद सीतापुर में लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निगम की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम का आयोजन महमूदाबाद स्थित जवाहर लाल नेहरू पालिटेक्निक कालेज के प्रांगण में गुरूवार को किया गया। मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने 7588.35 लाख की लागत से निर्मित जनपद सीतापुर में सीतापुर–लखीमपुर राज्य मार्ग सं0–21 पर ब्राड गेज रेलवे सम्पार सं0–73ए, सीतापुर–लखीमपुर सेक्शन पर 04 लेन रेल उपरिगामी सेतु का लोकार्पण किया, जिसकी लम्बाई 1.025 किमी0 है। इसके अतिरिक्त उन्होंने 15964.040 लाख की 80 योजनाओं का लोकार्पण एवं 1897.05 लाख लागत की 32 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया, जिसमें लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड, निर्माण खण्ड, निर्माण खण्ड–1, निर्माण खण्ड–4 की परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किये। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को गोल्डेन कार्ड का वितरण किया तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत सामुदायिक शौचालय का प्रबंधन एवं संचालन हेतु महिला सहायता समूहों को सांकेतिक रूप से चाभी हस्तान्तरित की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सबका साथ एवं सबका विकास कर रही है। सभी क्षेत्रों का बिना किसी भेदभाव के विकास हो रहा है। देश एवं प्रदेश का भी निरन्तर विकास हो रहा है। उन्होंने

कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से जनपद सीतापुर का भी तेजी से विकास सम्भव हो सका है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के खजाने सीतापुर के लिये खुले हैं। शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताते हुये मा0 उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना किसी भ्रष्टाचार एवं बिना किसी विलम्ब के पात्रों को लाभान्वित किया जा रहा है। लाभार्थी को दिया जाने वाला लाभ सीधे उनके बैंक खातों के माध्यम से प्राप्त हो रहा है। किसानों के हितार्थ मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत 6000 रूपये की राशि पात्रों के खातों में भेजी जा रही है। सरकार के प्रयासों से प्रदेश में सुशासन की स्थापना हुयी है तथा अपराधियों को दण्डित किया गया है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाने के साथ–साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ की गयी है। गरीबों के लिये आवास, शौचालय, विद्युत कनेक्शन, गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 05 लाख रूपये तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा आदि के संबंध में संचालित योजनाओं से निरन्तर लाभान्वित किया जा रहा है। सुशासन, विकास के साथ–साथ प्रदेश सरकार गरीबी से मुक्ति की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है।कार्यक्रम के दौरान मा0 सांसद सीतापुर श्री राजेश वर्मा, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती श्रद्धा सागर, मा0 विधायक बिसवां श्री महेन्द्र सिंह यादव, विधायक सेउता श्री ज्ञान तिवारी, विध्ायक महोली श्री शशांक त्रिवेदी, विध्ायक हरगांव श्री सुरेश राही, मा0 विध्ायक मिश्रिख श्री रामकृष्ण भार्गव, मा0 विधायक लहरपुर सुनील वर्मा, पूर्व मंत्री डा0 अम्मार रिजवी, भाजपा की क्षेत्रीय महामंत्री श्रीमती नीरज वर्मा, मा0 अध्यक्ष उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 डा0 लाल जी प्रसाद निर्मल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री अचिन मेहरोत्रा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान गोष्ठी में दी गई तकनीकी जानकारी

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। कृषि विज्ञान केन्द्र अम्बर पुर, सीतापुर के मार्ग दर्शन में इंटीग्रल विश्व विद्यालय, लखनऊ की कृषि स्नातक चतुर्थ वर्ष की छात्राओं के ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्र द्वारा संजना गुप्ता के नेतृत्व में रंजना साहू एवं मोनिका यादव के समूह को सिधौली विकास खण्ड का अलमापुर गांव आवंटित किया गया था। छात्राओं ने केन्द्र के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत के आधार भूत आंकड़ों का संकलन किया, खेती किसानी की परिस्थितियों, किसानों की समस्याओं आदि का ग्रामवासियों के सहयोग से विधिवत अध्ययन किया एवं विशेष गतिविधि के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं को खेल–कूद के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अन्त में किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करने हेतु एक कृषि गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।गोष्ठी की शुरुआत में रंजना साहू ने गोष्ठी में आए हुए अतिथियों एवं महिला एवं पुरूष किसान भाइयों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तत्पश्चात सभी छात्राओं ने अपने द्वारा किए गए कार्यों एवं किसानों की समस्याओं पर चर्चा की। तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट के कारण एवं उनके सुधारात्मक उपाय, फसलों की लागत कम करने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि एवं उचित मूल्य प्राप्त करने के तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए फलों तथा सब्जियों में मूल्य संवर्धन पर जानकारी प्रदान की। डॉ0 सिंह ने अपने सम्बोधन में किसानों सुझाव दिया कि यदि आप लोग खेती – किसानी के तकनीकी पहलुओं को ध्यानपूर्वक अपनाएंगे तो अवश्य ही फसलों की लागत में कमी आएगी तथा सही समय पर गतिविधियों को करने एवं उचित देखभाल करने पर गुणवत्ता युक्त उत्पादन में वृद्धि होगी जिसके फलस्वरूप बाजार में उसका उचित मूल्य प्राप्त होगा। यदि बाजार में हमें और अधिक मूल्य प्राप्त करना है तो फसल उत्पादों में मूल्य संवर्धन करना होगा।

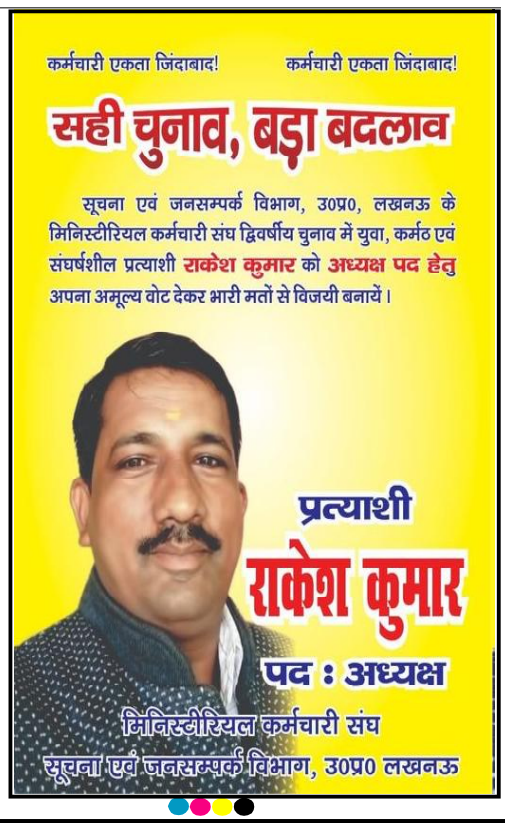

सम्पादकीय

क्या वायु प्रदूषण की स्थाई चादर लपेट चुका है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

अन्य विकासशील देशों की ही तरह भारत भी निरंतर वायु प्रदूषण की चपेट में रहने वाले देशों की सूची में अपना नाम शामिल करा चुका है। खास तौर पर दिल्ली व उसके आस पास का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरा वर्ष और चौबीस घंटे घोर प्रदूषण की चपेट में रहने लगा है। दिल्ली में हवाई जहाज से बाहर निकलते ही ऐसा महसूस होने लगता है कि आप किसी जहरीली गैस चौम्बर में प्रवेश कर चुके हैं। गत तीन दशकों से हालांकि एन सी आर में फैले इस प्रदूषण के लिये आँख मूँद कर हरियाणा –पंजाब के किसानों को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता था। बताया जाता था कि फसल काटने के बाद खेतों में बची पराली को जलाने से फैलने वाला धुआंयुक्त प्रदूषण दिल्ली परिक्षेत्र को अपनी आगोश में लेता है। केंद्र सरकार ने भी पूर्व में यही दावा था कि वायु प्रदूषण बढ़ाने में पराली का योगदान 25–30 फीसदी है। परन्तु पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इसी संबंध में चल रही एक सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का ताजा दावा था कि प्रदूषण फैलाने में पराली का योगदान मात्र 10 प्रतिशत है। परन्तु साथ ही अपने लिखित हलफनामे में केंद्र ने यह दावा भी किया कि प्रदूषण में पराली का योगदान मात्र 4 फीसदी ही है। देश की सर्वोच्च अदालत केंद्र के शपथ पत्र के अनुसार यह भी कह चुकी है कि 75 प्रतिशत वायु प्रदूषण उद्योग, ध ूल तथा परिवहन जैसे तीन मुख्य कारण के चलते है। जहां तक किसानों को प्रदूषण के लिये जिम्मेदार ठहराने का प्रश्न है तो इसे यूँ भी समझा जा सकता है कि किसान अपनी फसल का बचा हुआ कचरा अर्थात पराली आदि तो वर्ष में एक ही दो बार जलाते हैं जबकि दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरे वर्ष ही चौबीसों घंटे प्रदूषण की गिरफ्त में रहता है ?

दिल्ली, फरीदाबाद, गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, सोनीपत आदि राजधानी के किसी भी निकटवर्ती क्षेत्र में चले जाइये, हर जगह वही गैस चौंबर जैसे हालात नजर आते हैं। जहां आम लोग अपने मकानों के दरवाजे व खिड़कियां इसलिये खोलते हैं ताकि ताजी व स्वच्छ हवा का घरों में प्रवेश हो सके वहीं एन सी आर की स्थिति ठीक इसके विपरीत हो चुकी है। घरों के दरवाजे व खिड़कियां खुलते ही जहरीली, रसायन युक्त प्रदूषित हवा इन घरों में प्रवेश कर जाती है। गगनचुंबी रिहाइशी फ्लैट्स की किसी भी मंजिल पर खिड़की–दरवाजा खुलते ही ध ुंआ युक्त गैस फ्लैट्स के भीतर प्रवेश करती है। गोया राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रहने वाला कोई भी व्यक्ति ताजी व प्रदूषण मुक्त हवा का भी मोहताज बनकर रह गया है। इन इलाकों में लाखों वाहन चौबीस घंटे सड़कों पर दौड़ते हैं। हजारों छोटे बड़े उद्योग अपनी चिमनियों से धुआं उगलते हैं। एन सी आर क्षेत्र में बसने वाले लाखों कबाड़ी रोजाना सारा दिन और प्रायः रात भर लोहे–तांबे–पीतल की तार आदि निकालने हेतु टायरों तथा बिजली व फोन के तारों आदि में आग लगाते रहते हैं। सुनाई तो यह भी देता है कि पुलिस व प्रशासन की मिली भगत से कई जगह प्रदूषण फैलाने की खुली छूट दी जाती है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत घरों से कूड़ा संग्रह करने की योजना के बावजूद अभी भी अनेक लोग यहाँ तक कि प्रायः स्वयं सफाई कर्मी भी कूड़े की ढेरियां बनाकर उसे आग के हवाले कर देते हैं। एन सी आर क्षेत्र में पड़ने वाले ईंटों के भट्टे भी यहां का प्रदूषण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

प्रतिदिन दिल्ली व हिण्डन एयरबेस से चढ़ने व उतरने वाले हजारों विमानों द्वारा दिन रात छोड़े जाने वाले जहरीले गैसयुक्त प्रदूषण की कोई चर्चा नहीं होती। अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तियों के काफिले में आगे पीछे दौड़ने वाले वाहनों के प्रदूषण फैलाने का जिक्र कहीं नहीं सुनाई देता। चार्टर्ड विमानों से प्रदूषण नहीं बल्कि शायद सुगन्धित स्वच्छ ऑक्सीजन का स्प्रे होता होगा तभी इसके प्रदूषण की चर्चा कभी नहीं सुनी गयी। प्रतिदिन लाखों नये वाहन सड़कों पर निकलकर प्रदूषण नहीं फैलाते बल्कि किसानों के दस वर्ष पुराने गिनती के ट्रैक्टर प्रदूषण फैलाने के असली जिम्मेदार हैं ? पिछले दिनों देश के इतिहास में पहली बार दिल्ली को केवल वायु प्रदूषण के चलते लॉक डाउन का सामना करना पड़ा। सभी स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गए थे। दिल्ली सरकार का सुझाव था कि दिल्ली में सप्ताह में दो दिन प्रदूषण लॉकडाउन लगाया जा सकता है। परन्तु अदालत का मत था कि अकेले दिल्ली को ही लॉक करने से कोई लाभ नहीं होगा। दिल्ली के साथ–साथ नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में भी इस नियम का पालन करना होगा। अदालत का मत था कि – यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। एक बड़े इलाके को बिना किसी ठोस वजह के बंद नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकारों को लॉक डाउन के अतिरिक्त भी कुछ अन्य वैकल्पिक उपायों पर भी सोचना होगा।

मानव जनित प्रदूषण समस्या ने ही आज दिल्ली परिक्षेत्र की यह स्थिति कर दी है कि लोग कार पूल पर विचार करने लगे हैं। सरकार को इसी स्थिति से निपटने के लिये कभी कभी वाहनों हेतु सम विषम (ऑड–इवेन) की नीति लागू करनी पड़ती है। कोरोना से रक्षा हेतु लगाया जाने वाला मास्क लगता है प्रदूषण के चलते अब इंसानी जरूरत का स्थान लेने वाला है। साँस की बीमारी, दमा, फेफड़े की प्रदूषण जनित तमाम बीमारियों में इजाफा होता जा रहा है। छोटे बच्चे और बुजुर्ग इसकी चपेट में कुछ ज्यादा ही आ रहे हैं। निरंतर बढ़ते जा रहे शहरीकरण के चलते हरित क्षेत्र घटता जा रहा है जोकि मानव जीवन के लिये ऑक्सीजन देने व कॉर्बन डाई ऑक्साइड जैसी प्रदूषित गैस को ग्रहण करने का सबसे प्रमुख स्रोत है। बहरहाल, पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इस विषय पर हुई बहस व सरकार द्वारा रखे गये पक्ष के बाद किसानों को दिल्ली परिक्षेत्र का प्रदूषण बढ़ाने का जिम्मेदार ठहराने की साजिश का तो पटाक्षेप जरूर हो गया है परन्तु इसके बाद अब यह सवाल और भी प्रबल हो चुका है कि क्या श्राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, वायु प्रदूषण की स्थाई चादर लपेट चुका है।

उच्च शिक्षा का बाजारीकरण रुके

–डा. वरिंदर भाटिया–

गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा में पूर्णता न होने के कारण भारत में छात्रों के लिए आगे बढने और पढने की राह असमंजसपूर्ण होती जा रही है। उत्तर भारत में छात्रों का एक बड़ी संख्या में विदेशों के लिए शैक्षणिक पलायन हो रहा है। आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार तभी संभव है जब हम उसकी असल चुनौतियों की पहचान कर सकें। यदि हमें उच्च शिक्षा प्रणाली की असल चुनौतियों को पहचानना है तो हमें कुछ दशक पीछे जाना होगा। सबसे पहले अस्सी के दशक तक शिक्षा नीति में अनुदान की प्राथमिकता थी। हालांकि अस्सी के दशक से ही बिना अनुदान की नीति को बढ़ावा दिया जाने लगा था। लेकिन, 2010 का दशक आते–आते स्थिति यह हो गई कि हमने उच्च शिक्षा में बिना अनुदान की नीति को स्वीकार कर लिया।

इसका परिणाम यह हुआ कि सार्वजनिक क्षेत्र की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का स्तर खराब होता गया और शिक्षा का बाजारीकरण साफ तौर पर सामने आया। इसका परिणाम यह हुआ कि सामान्य परिवारों के लिए शिक्षा साल दर साल महंगी होती चली गई। उच्च शिक्षा की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए फिर से पीछे जाएं तो वर्ष 2004 में 'निजी विश्वविद्यालय विधेयक व अध्यादेशय आने के बाद बड़ी तादाद में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को बढ़ावा मिला था। दूसरी तरफ उच्च शिक्षा के निवेश में साल दर साल कटौती किए जाने से गरीब परिवारों के बच्चों के लिए परिस्थितियां पहले से विकट हुई हैं। इसकी पुष्टि केंद्र द्वारा शिक्षा के लिए दिए जाने वाले बजट का आकलन करने से होती है। पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा पर किए जाने वाले निवेश को बढ़ाने की बजाय इसमें लगातार कटौती हुई है। इसलिए उच्च शिक्षा में दूसरी सबसे बड़ी चुनौती बुनियादी सुविधाओं का अभाव और गुणवत्ता में आई कमी है। आज देश में ऐसे कॉलेज कम नहीं हैं जो कहने को तो कॉलेज हैं, पर छात्रों को बुनियादी सुविध ाएं भी नहीं हैं। इसके अलावा अगले वर्ष उच्च शिक्षा के नजरिए से विश्वविद्यालय में संबद्ध महाविद्यालय का बढ़ता बोझ, पाठ्यक्रमों में बदलाव की मांग और ड्रापऑउट विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या असली चुनौतियां हैं जिनका संबंध भी कही न कहीं सार्वजनिक शिक्षा के ढहते ढांचे और निजीकरण से ही है। वहीं उच्च शिक्षा में अध्यापकों के रिक्त पद से जुड़े आंकड़े खुद अपनी हकीकत बता रहे हैं। इसका बुरा असर उच्च शिक्षा की अकादमिक गुणवत्ता पर पड़ा है। यदि हम विश्वविद्यालयों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम की बात करें तो इसमें और सामाजिक व्यवहार के बीच भी कोई तालमेल नहीं दिखता है। दरअसल उच्च शिक्षा की अध्ययन सामग्री उपयोगी और मानवीय आवश्यकताओं पर आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। इसी प्रकार उच्च शिक्षा से ड्रापआउट होने वाले विद्यार्थियों को रोकना और सकल नामांकन अनुपात बढ़ाना भी इस क्षेत्र की एक बड़ी चुनौती है। भारत की उच्च शिक्षा में 18 से 23 वर्ष के आयु वर्ग के अंतर्गत सकल नामांकन अनुपात महज 26.3 प्रतिशत है जो कि अन्य विकसित और कई विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है। इससे स्पष्ट होता है कि आज भी देश के करीब 74 प्रतिशत युवा उच्च शिक्षा से बाहर हो जाते हैं। इससे जाहिर होता है कि सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर देना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आज भी दूर का सपना है। भारत जब स्वतंत्र हुआ था तब 20 विश्वविद्यालय और 500 कॉलेज थे। वर्तमान में 1000 से अधिक विश्वविद्यालय और करीब 40 हजार से अधिक कॉलेज हैं। संख्या की दृष्टि से उच्च शिक्षा में विकास होता दिखता है, लेकिन गुणवत्ता के मानकों पर यह दुनिया के अनेक देशों के मुकाबले पीछे है। असल में राजनीतिक फायदा लेने की आड़ में बेतुके कॉलेज खुलने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। भारत की नई शिक्षा नीति बेहतर होने के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों के पुनर्गठन और एकत्रीकरण की सिफारिश करती है। इसके मुताबिक यदि किसी शिक्षा संस्थान में विद्यार्थियों की संख्या कम है तो उसका किसी अन्य शिक्षा संस्थान में विलय कर दिया जाएगा। ऐसा हुआ तो आशंका यह है कि देश के दूरदराज के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रसार और प्रोत्साहन का कार्य रुक जाएगा तथा इससे कई ग्रामीण, पहाड़ी और जनजातीय अंचल के शिक्षा संस्थान बंद हो जाएंगे। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों की पढ़ाई पहले ही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। ऑनलाइन शिक्षण का लाभ उन विद्यार्थियों को ही मिला है जो सर्वसम्पन्न और टेक्नोफ्रेंडली हैं और जिनके अभिभावक मोबाइल और इंटरनेट का खर्चा वहन करने की स्थिति में हैं। इससे उच्च शिक्षा से जुड़ी बुनियादी संरचना की कमजोरियां सतह पर आई हैं। सत्य है कि कोरोना काल में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों का एक बड़ा वर्ग पढ़ाई से छूट गया है। इसके लिए हम क्या कदम उठा रहे हैं? उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के साथ इस बात को भी भली–भांति समझने की आवश्यकता है कि उच्च शिक्षा को पूर्ण लाभ का धंधा नहीं बनाया जा सकता है। उच्च शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को एक अच्छा नागरिक बनाना होना चाहिए जो विकास के साथ ही सामाजिक न्याय के लिए अच्छी तरह से अपना योगदान दे सके। इसलिए शिक्षा के व्यवसायीकरण और निजीकरण को बढ़ावा देने वाली नीति पर आगे बढने की बजाय सार्वजनिक क्षेत्र को प्राथमिकता देने वाली योजनाओं की आवश्यकता है। अतीत पर नजर डालें तो स्वतंत्रता के बाद समग्र शिक्षा व्यवस्था का सरकारीकरण हुआ। शैक्षिक संस्थाएं या तो सीधे तौर पर सरकार चलाती थी या सरकार के अनुदान से संस्थाएं चलती थी। विद्यार्थियों का निश्चित शुल्क, शिक्षकों का निश्चित वेतन एवं संस्था चलाने हेतु अनुदान जैसी व्यवस्थाएं बनी। कुछ समय के बाद सरकारी शैक्षिक संस्थाओं के स्तर में लगातार गिरावट आती गई।

इस कारण से निजी विद्यालयों का आकर्षण बढ़ा। शुरू में अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में वस्तुओं के रूप में दान लेना शुरू हुआ। आगे जाकर छात्र से बड़ी मात्रा में दान लेना, शिक्षकों की नियुक्ति में पैसा लेना और कम वेतन देना शुरू हुआ। विद्यालयों में शिक्षा का स्तर गिरने से ट्यूशन प्रथा प्रारंभ हुई। क्रमशः शिक्षा का स्वरूप धंधे जैसा बनने लगा। 1960 के दशक में दक्षिण भारत में व्यवसायी उच्च शिक्षा के संस्थान बिना सरकारी अनुदान से खुले जिसमें छात्रों के पास बड़ी मात्रा में शुल्क लिया जाने लगा। जिसको उस समय की पीटेषन फी कहा गया। यह एक प्रकार से अमीरों के बालकों हेतु शैक्षिक संस्थान बन गए। 1990 के बाद दुनिया में वैश्वीकरण की हवा चली जिसको एलपीजी (लिबरेलाइजेशन, प्राइवेटाईजेशन, ग्लोबलाईजेशन) भी कहा गया जिसका शिक्षा पर भी प्रभाव हुआ। सरकारें उच्च शिक्षा में अपना हाथ खींचने लगी। आने वाले समय में सब कार्य प्रशासन एवं शिक्षा माफियाओं की मिलीभगत से होने लगे। यूं कहें कि 'मामा के घर भोजन परोसने वाली मां फिर क्या कहना? कटु सत्य है कि व्यावसायिक उच्च शिक्षा उच्च मध्यम वर्ग या उच्च वर्ग को छोड़कर अन्य किसी भी वर्ग के बस की बात नहीं रही। इससे देश की अनेक प्रतिभाएं भी कुंठित हो रही हैं। इन परिस्थितियों के कारण वर्तमान में शिक्षा का सिर्फ बाजारीकरण ही नहीं हुआ है। कहीं–कहीं पर तो यह एक प्रकार से अतिभ्रष्ट व्यापार हो गया है। इस प्रकार की शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र किस प्रकार के निर्माता होंगे? और इस प्रकार के छात्र देश के विभिन्न क्षेत्रों का नेतृत्व करेंगे, तब देश का चरित्र कैसा बनेगा? जब तक शिक्षा का बाजारीकरण नहीं रुकेगा, तब तक बाकी सारी गलत बातें बढना स्वाभाविक है।

रक्षा क्षेत्र में और आगे बढ़े भारत-रूस के कदम

–डॉ. रमेश ठाकुर–

रूस के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध हमेशा से कसौटी पर खरे उतरे हैं। चाहे रक्षा क्षेत्र के करार हों, सामरिक साझेदारियां हों, आतंकवाद से लड़ने में सहयोग का मामला हो, सभी क्षेत्रों में बेहतर परिणाम सामने आए हैं।संबंध अब नए सिरे से और आगे बढ़ने आरंभ हुए, जिनको पुतिन की यात्रा ने पंख लगाए।

पुतिन बेशक कुछ ही घंटों के लिए हिंदुस्तान आए, पर खुराफाती देशों में खलबली मचा गए। हिंदुस्तान धीरे–धीरे संप्रभु ताकत बन रहा है, यही वजह है दुनिया अपने आप खिंचती आ रही है।

जहां तक दोस्ती की बात है तो सिर्फ रूस–भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया इस बात को अच्छे से जानती है कि दोनों की दोस्ती अन्य मुल्कों के मुकाबले सबसे भरोसेमंद रही है। आगे भी रहेगी, क्योंकि इसकी तस्दीक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने की है। पुतिन का करीब डेढ़–दो वर्षों बाद हिंदुस्तान आना हुआ। कुछ समय के लिए ही आए, लेकिन इस दरम्यान उन्होंने रिश्तों में जो प्रगाढ़ता बढ़ाई वह काबिले तारीफ रही। प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका दिल खोलकर स्वागत–सम्मान किया।

वैसे, दोनों नेताओं की दोस्ती पहले से ही प्रगाढ़ रही है। राजनीतिक रिश्तों के इतर भी दोनों अपने आपसी संबंध ों को तवज्जो देते हैं। भारत–रूस के मध्य दोस्ती की निरंतरता यूं ही बनी रहे, इसकी उम्मीद सभी करते हैं। दरअसल, यूपी के अमेठी जिले में राइफल बनाने के लिए खुल रही आयुध फैक्ट्री में रूस की मदद बहुत जरूरी है। एके–203 राइफल बनाने में रूस माहिर है, इस लिहाज से उनका सहयोग अत्यंत जरूरी है। भारत सरकार ने पूर्व में ही रूस से लंबी दूरी के जमीन से आसमान में मारक क्षमता वाली एयर–मिसाइल डिफेंस सिस्टम एम–400 की खरीद के लिए उनसे करार किया हुआ है। पहली खेप मिल भी चुकी है, अगले साल तक और मिल जाएगी। इस करार से भारत ने अपनी क्षमता का परिचय उन देशों को दिया है, जो खुद को आधुनिक हथियारों में अग्रणी समझते हैं। विशेषकर अमेरिका और चीन। रूस के साथ भारत के ताजा करार ने चीन–पाक को असहज कर दिया है।

गौरतलब है कि विभिन्न तरह की मुसीबतें और समस्याएं आईं, पर भारत–रूस की दोस्ती पर कभी असर नहीं पड़ा। आज से नहीं, बल्कि दशकों से रूस–भारत के द्विपक्षीय संबंध कसढौटी पर खरे उतरे हैं, जिसे अब रूसी राष्ट्रपति की यात्रा ने और मजबूती प्रदान की है। उनकी यात्रा पर चीन–पाकिस्तान की भी नजरें रही। उन्हें पता है अगर दोनों देश मजबूती से साथ आ गए तो अफगानिस्तान में उनका खेल बिगड़ जाएगा। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी बातचीत हुई। इस संबंध में रूस–भारत के विदेश मंत्रियों के मध्य टू–प्लस–टू वार्ता में कई मसलों पर मंथन हुआ, जिसका असर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगा। 21वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में कुछ कूटनीतिक निर्णयों में ऐसा फैसला लिया जाएगा जिससे पाक–चीन की नापाक हरकतें एक्सपोज होंगी। इसमें भारत–रूस के साथ और भी कुछ देश साथ आएंगे। इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनाई जा रही है।

अमेठी में करीब पांच लाख राइफलों का निर्माण जाएगा, जिससे भारत की रक्षा क्षमता बढ़ेगी। इसमें हर तरह से सहयोग करने का वादा रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगुए ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष किया है। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी विदेश मंत्री लावरोव के मध्य एस–400 को लेकर हुई डील भी भारत की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी। किसी भी मुल्क की सेना के पास अगर एके–203 जैसी लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली राइफलें होंगी, तो दुश्मन उससे मुकाबला करने के लिए सौ बार सोचेगा। करेगा तो सौ फीसदी मुंह की खायेगा। इस बात की भनक दोनों खुराफाती पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को लग चुकी है। भारत ने रूस से अधिक सैन्य तकनीकी सहयोग की गुजारिश की है जिसे स्वीकार भी किया है। वहीं, भारत इस क्षेत्र में खुद उन्नत अनुसंधानिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रूस इस बात को जान रहा है कि भारत अपनी मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और अपने लोगों की अंतर्निहित क्षमता के साथ तमाम चुनौतियों पर काबू पाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुतिन का दौरा पहले भी होता रहा है। पर, पहले के मुकाबले पुतिन ने इस बार बदलते भारत की नई तस्वीर देखी। उन्हें इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भरता का मजबूत गठजोड़ दिखाई दिया। एक वक्त था जब दूसरे देशों के साथ सैन्य समझौतों में भारत हिचकता था, अविश्वास की कमी दिखती थी। इसलिए भारत के साथ कई मर्तबा धोखे भी हुए, जो करार हुआ उसका पालन नहीं किया गया। हथियारों की खेप समय से नहीं मिली। यहां उन देशों का नाम लेना उचित नहीं जिन्होंने भारत के साथ छल किया था। खैर, बीते दौर की बातों को भुलाकर भारत आगे बढ़ा है और वह भी मजबूती के साथ। उन्हें अब विश्वसनीय नेताओं और देशों का सहयोग मिला है। एक जमाना वो भी था जब अमेरिका का शिकंजा हुआ करता था। कोई भी देश जब किसी मुल्क से सैन्य करार करता था, तो वह अड़ंगा लगाकर जैसा वह चाहता था, वैसा होता था। लेकिन अब वक्त बदल चुका है। सभी मुल्क स्वतंत्र हैं, कुछ भी करने को। अमेरिका कभी नहीं चाहता था सैन्य ताकत में उनसे आगे कोई दूसरा देश निकले लेकिन अब आगे बढ़ चुके हैं। यही अमेरिका की सबसे बड़ी हार है। रूस–भारत जिस तरह बेखौफ होकर सैन्य करार को लेकर आगे बढ़े हैं, वह काबिलेगौर हैं।

भारत, रूस सहित कुछ दूसरे मुल्क निकट भविष्य में अमेरिका का डटकर मुकाबला करेंगे, लेकिन उससे पहले चीन–पाक से निपटना होगा। ये ऐसे देश हैं जो प्रत्यक्ष रूप से कुछ नहीं करते, लेकिन दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर वार करते हैं। ये अब तालिबानियों को बेजा इस्तेमाल करने में लगे हैं। उनकी सरकार को मान्यता देने के पीछे ऐसे ही कुछ राज छिपे हैं। लेकिन उनकी नापाक हरकतों से भारत–रूस जैसे देश वाकिफ हैं। भारत–रूस के बीच सैन्य समझौते इन्हीं नापाक हरकतों को कुचलने के लिए हैं। सामरिक, व्यापारिक, शिक्षा, शांति आदि क्षेत्रों में जिस तरह दोनों देश आगे बढ़ते दिख रहे हैं, उससे कइयों को परेशानी होगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ओमीक्रोनः अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत

–सुरेश हिंदुस्थानी–

कोरोना की तीसरी लहर ने अपने कदम बढ़ाने प्रारंभ कर दिए हैं। आम आदमी जिस प्रकार लापरवाह हुआ है, उससे यही आशंका उत्पन्न होने लगी है कि ओमीक्रोन निश्चित प्रभाव दिखाएगा।

इसके पीछे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा नियम–कानून के पालन की मानसिकता नहीं बना पाया है। इसके कारण जहां व्यक्तिगत स्तर पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, वहीं यह लापरवाही समाज के लिए अत्यंत घातक हो जाती है।

कोरोना संक्रमण की पिछली दो लहरों ने समाज को बहुत बड़ा सबक दिया लेकिन इस सबक का प्रभाव धीरे–धीरे विस्मश्त होता जा रहा है। समाज ने इस प्रकार से जीना प्रारंभ कर दिया, जैसे कोरोना आया ही नहीं था। पहले और दूसरे संक्रमण के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के दौरान जनमानस अच्छे–बुरे की पहचान कर चुका है, लेकिन ऐसा लगता है कि हम जानते हुए अनजान बन जाते हैं। इसी कारण यह परिलक्षित हो रहा है कि हम जीवन के प्रति सचेत नहीं हैं।

तीसरी लहर की जद में विश्व के कई देश आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अपने आपको अत्यंत समश्द्ध मानने वाले देशों की स्थिति विकराल होती जा रही है। कई देश पहली और दूसरी लहर के संत्रास से बाहर निकल भी नहीं पाए थे कि अचानक तीसरी लहर ने भी दस्तक दे दी।

भारत के लिए राहत है कि भारतीय वैक्सीन पहले भी सकारात्मक परिणाम देने में सार्थक प्रमाणित हुई है। अब तीसरी लहर की भयावह आशंका के बीच कहा जाने लगा है कि भारतीय वैक्सीन ओमीक्रोन को भी परास्त करने में सफल होगी। लेकिन हमें किसी प्रकार से आश्वस्ति की आवश्यकता नहीं है। आश्वस्ति का भाव निश्चित ही मनोबल बढ़ाने का कार्य करती है, परंतु इस मनोबल को बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की अफवाह से खुद को मुक्त रखना, हम सभी का प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए।

हम जानते हैं कि पहली लहर से पूर्व देश के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए धारा 144 और कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता हुई। यह सब जनता को बड़े खतरे की चपेट में आने से रोकने के लिए किया गया। जो बहुत हद तक सफल भी रहा, लेकिन दूसरी लहर में फैली अफवाहों ने जनता के हौसले को तोड़ने का काम किया। विसंगति यह थी कि जिस विभाग को इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था, उसके ही कुछ स्वार्थी मानसिकता से ग्रस्त व्यक्तियों ने अपना लाभ देखने का भरपूर प्रयास किया। इस बार शासन, प्रशासन और आम जनता को भी सक्रिय भूमिका का प्रदर्शन करते हुए भ्रम फैलने से पहले ही जागरण का कार्य करना चाहिए, नहीं तो ऐसा न हो कि फिर से दूसरी लहर के दौरान बनने वाले हालात पैदा हो जाएं।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस को शुरू में दुनिया के देशों ने हल्के में लिया, लेकिन जैसे ही कोरोना का विकराल रूप सामने आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अमेरिका जैसे विकसित और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सेवा देने वाले इटली जैसे देशों में भी इस वायरस ने तबाही ला दी। अब कोरोना का नया वेरिएंट दक्षिण अफ्रीका से सामने आया है। कहा जा रहा है कि यह वायरस वैश्विक रूप से अपना प्रभाव दिखाएगा। इसलिए दुनिया के कई देश इसके प्रभाव को रोकने के लिए व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। भारत में भी ओमीक्रोन संक्रमित व्यक्ति मिल रहे हैं। इसके निहितार्थ यही हैं कि भारत में भी इसका दुष्प्रभाव देखने को मिलेगा। इसे रोकने के लिए शासन स्तर पर तो नीति बनाई जा रही होंगी, लेकिन सामाजिक स्तर भी अभी से ठोस पहल करने की आवश्यकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस दिन लोग नहीं करते हैं आपने बेटियों का विवाह... पंडित अशोक कुमार मिश्रा

सुरेश कुमार तिवारी

कहोबा चौराहा गोंडा। इस बार 8 दिसंबर 2021, बुधवार को यानी आज विवाह पंचमी है। यह दिन हिन्दू धर्म में बहुत मायने रखता है, क्योंकि इसी दिन जानकी सीता और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का शुभ विवाह संपन्न हुआ था। यह दिन भारत में एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। श्रीराम और सीता के विवाह की वर्षगांठ के तौर पर विवाह पंचमी का उत्सव मनाया जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार मार्गशीर्ष अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को देवी सीता का स्वयंवर हुआ था। इस पर्व को मिथिलांचल और नेपाल

में बहुत उत्साह और आस्था से मनाया जाता है। इस दिन अयोध्या और जनकपुर में प्रभु राम की बारात विशेष तैयारियों के साथ निकाली जाती है।

विवाह पंचमी को लेकर कई पुराणों में इसका विशेष महत्व है, बावजूद इसके इस दिन कई जगहों पर शुभ विवाह के मांगलिक कार्य संपन्न नहीं किए जाते हैं यानी कि लोग अपने बेटी का विवाह इस दिन करना उचित नहीं मानते हैं। धार्मिक दृष्टि से इस दिन का अधिक महत्व होने के बाद भी मिथिलांचल और नेपाल में इस दिन विवाह आयोजन नहीं किए जाते हैं। इस दिन त्योहार तो मनाया जाता है, लेकिन माता सीता के दुखद वैवाहिक जीवन को देखते हुए इस दिन विवाह निषेध होते हैं।

शास्त्रों की मानें तो भौगोलिक रूप से सीता मिथिला की बेटी कहलाई जाती है। इसलिए भी मिथिलावासी सीता के दुख और कष्टों को लेकर अतिरिक्त रूप से संवेदनशील हैं। चौदह वर्ष वनवास के बाद भी गर्भवती सीता का श्रीराम ने परित्याग कर दिया था। इस तरह राजकुमारी सीता को महारानी सीता का सुख नहीं मिला। माता सीता का आगे का सारा जीवन अपने जुड़वां बच्चों लव और कुश के साथ वन में ही बीता। इसीलिए विवाह पंचमी के दिन लोग अपनी बेटियों का विवाह नहीं करते हैं। उनके मन आशंका यह होती है कि कहीं माता जानकी की तरह ही उनकी बेटी का वैवाहिक जीवन दुखमय न हो जाए, सिर्फ इतना ही नहीं, विवाह पंचमी पर की जाने वाली रामकथा का अंत राम और सीता के विवाह पर ही हो जाता है। क्योंकि दोनों के जीवन के आगे की कथा दुखों और कष्टों से भरी है और इस शुभ दिन सुखांत करके ही कथा का समापन कर दिया जाता है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार भगवान राम और देवी सीता भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के ही अवतार हैं। दोनों ने समाज में आदर्श और मर्यादित जीवन की मिसाल कायम करने के लिए मानव अवतार लिया। अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को राम–सीता का विवाह मिथिलांचल में संपन्न हुआ था। श्रीराम–सीता विवाह कथा– पुराणों में वर्णन है कि राम–सीता श्रीविष्णु और लक्ष्मी के अवतार हैं। राजा दशरथ के घर पैदा हुए राम और राजा जनक की पुत्री है सीता। बताया जाता है कि सीता का जन्म धरती से हुआ है। जब जनक हल चला रहे थे, तब उन्हें एक नन्हीं–सी बच्ची मिली थी। इसे ही नाम दिया गया सीता, यही जनकनंदिनी कहलाईं। मान्यता है कि एक बार बचपन में सीता ने मंदिर में रखे धनुष को बड़ी सहजता से उठा लिया। उस धनुष को तब तक परशुराम के अतिरिक्त और किसी ने उठाया नहीं था। तब राजा जनक ने यह निर्णय लिया कि जो कोई शिव का यह धनुष उठा पाएगा, उसी से सीता का विवाह किया जाएगा।

उसके बाद सीता के स्वयंवर का दिन निश्चित किया गया और सभी जगह संदेश भेजे गए। उस समय भगवान राम और लक्ष्मण महर्षि वशिष्ठ के साथ दर्शक के रूप में उस स्वयंवर में पहुंचे थे। कई राजाओं ने प्रयास किए, लेकिन कोई भी उस धनुष को अपनी जगह हिला न सका, उस पर प्रत्यंचा चढ़ाना तो बहुत दूर की बात थी। हताश जनक ने करुण शब्दों में अपनी पीड़ा महर्षि वशिष्ठ के सामने व्यक्त की थी श्क्या कोई भी मेरी पुत्री के योग्य नहीं है? तब महर्षि वशिष्ठ ने श्रीराम को इस स्वयंवर में भाग लेने का आदेश दिया। अपने गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए भगवान श्रीराम ने धनुष उठाया और उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने लगे कि धनुष टूट गया। इस तरह उन्होंने स्वयंवर की शर्त को पूरा किया और सीता से विवाह के लिए योग्य पाए गए। भारतीय जनमानस में राम और सीता प्रेम, समर्पण, और आदर्श के परिचायक पति–पत्नी हैं। इतिहास–पुराण में श्रीराम जैसा कोई पुत्र, भाई, योद्धा और राजा नहीं हुआ। उसी तरह इतिहास में सीता–सी कोई पुत्री, पत्नी, मां, बहू नहीं हुई। इसलिए भी हमारे समाज में राम और सीता को आदर्श पति–पत्नी के रूप में स्वीकारा और पूजा जाता है।

मतदान जागरूकता अभियान के तहद निकली गयी रैली

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन–खीरी। निघासन में मतदान जागरुकता अभियान के अंतर्गत के एक रैली निकाली गयी ये रैली जिला पंचायत इंटर कॉलेज के छात्रो द्वारा निकाली गयी जो कि जिला पंचायत स्कूल से निघासन कस्बे से होते हुये निघासन ब्लाक

तक गयी है इस दौरान निघासन कस्बे वालो को मतदान के लिए जागरूक किया किया गया और बताया गया मतदान बहुत ही जरूरी है।साथ ही बच्चों को उनके घरों वालो को प्रेरित करने के लिए भी कहा गया ।जिसमें मुख्य स्लोगन इस प्रकार रहा सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो बच्चों द्वारा इस स्लोगन को बार बार कहाँ गया और पूरे कस्बे को जागरूक किया गया। इस दौरान कोतवाली प्रभारी राम लखन पटेल एस आई अजीत कुमार सिंह व समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा व साथ में खण्ड विकास अधिकारी निघासन राकेश कुमार सिंह तहसीलदार व स्कूल के सभी अध्यापकगण मौजूद रहे।

जन अधिकार पार्टी ने सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। जन अधिकार पार्टी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा जिसमें 17 सूत्री मांगों को रखा गया है जन अधिकार पार्टी की नगर में रैली निकालकर कलेक्टर परिसर में पहुंचकर प्रदर्शन किया उन्होंने जमकर नारेबाजी कर आक्रोश जाहिर किया इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा जिसमें बताया कि समस्याओं का अंबार लगा है कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है महंगाई चरम पर है। उन्होंने मांग की है कि लखीमपुर कांड के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए बहन बेटियों पर हो रहे अन्याय अत्याचार को तुरंत रोका जाए दोषियों पर कार्रवाई की जाए सरकार की नई शिक्षा नीति की आड़ में देश की पिछड़े दलित किसान मजदूर को शिक्षा से वंचित रखना चाहती है इसको तुरंत वापस लिया जाना चाहिए पिछडो का आरक्षण मेडिकल सहित सभी क्षेत्रों में शून्य कर दिया है गया है इसको बाहल किया जाए एस एस पी की गारंटी के लिए कानून बनाया जाए राष्ट्रपति संपत्ति को बेचा जा रहा है। उसे रोका जाए अन्ना प्रथा को बंद किया जाए किसानों की फसल की सुरक्षा हो सके दुकानदार व्यापारियों का कर्ज एवं बिजली बिल माफ किया जाए किसानों के गन्ने का मूल्य भुगतान किया जाए इसके साथ ही उन्होंने शिक्षक भर्ती मे अनियमितता पायी गई हैं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को तत्काल नियुक्ति दी जाये इस मौके पर महाराज सिह कुशवाहा एडवोकेट राजेंद्र पाल सरावन राजू अध्यक्ष सुंदर कुशवाहा लल्लू कुशवाहा कुशवाहा सतवंत सिंह विवेक जितेंद्र कुशवाहा आदि सैकड़ों संख्या में लोग मौजूद रहे।

आईटीआई परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक एवं कई शिक्षक साहित्यिक एवं सामाजिक सामानों से सम्मानित के सेवानिवृत्त होने पर किया गया सम्मानित।

गोंडा। आई टी आई परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कार्य अनुभव) एवं कई शैक्षिक, सामाजिक तथा साहित्यिक सम्मानों से सम्मानित वरिष्ठ कवि ईश्वर चंद्र जायसवाल पिछले दिनों छत्तीस वर्ष की दीर्घकालिक शिक्षण सेवा के पश्चात सकुशल सेवानिवृत्त हो गये स प्राचार्य मेवा लाल तथा अन्य शिक्षकों ने उन्हें माला, शाल, गीता, अभिनंदन पत्र तथा पुष्प प्रदान करके सम्मानित किया स वारिस अली खान, प्रतिभा जोशी, डॉ. अब्दुल मन्नान अंसारी, डॉ. विपिन त्रिपाठी, प्रमिला प्रकाश, निर्मला यादव, आर. डी. यादव, श्याम धनी, विवेक कुमार आदि ने उनके कार्य, व्यवहार, शिक्षण और कविता की सराहना की।

कार्यक्रम अध्यक्ष तथा प्राचार्य मेवा लाल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि ईश्वर चंद्र जी ने अपने विषय के साथ–साथ समय–समय पर हिन्दी,संस्कृत तथा गणित पढ़ाकर विद्यार्थियों को विशेष योगदान दिया है तथा परिणाम

भी शत प्रतिशत रहा है। स्काउट प्रभारी होने के कारण आप के प्रशिक्षण में अब तक इक्यावन राज्य पुरस्कार तथा पाँच राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त स्काउटस हैं जो देश–विदेश अपनी उच्च सेवा देते हुए केंद्रीय विद्यालय का नाम रोशन किए हैं। युवा लेखक,कवि तथा समीक्षक यतींद्र मिश्र, विशाल शुक्ल पत्रकार, कर्नल डॉ. रत्नेश शुक्ल, प्रदीप यादव (कमर्शियल पायलट), ज़न रक्षक अमर शहीद स्व. सिद्धार्थ पांडेय (फाइटर पायलट), तृप्ति गोस्वामी तथा वैभव सिंह (विदेश सेवा), अग्रता हरि (सहायक प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा) आदि आप के शिष्य देश की उन्नति में योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर ईश्वर चंद्र जायसवाल ने सभी के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया और साठ साल पूर्ण करने पर पढ़ा...

ईश्वर पैदल चाल, बनाये सबको पाठा ।

हँसू–हँसाऊँ नित्य, रहूँ साठा का साठा।।

शिक्षण कार्य में शिक्षकों अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग आवश्यक है यह बात डी ओ एस डी एम शत्रुघ्न पाठक ने कही

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। शिक्षण कार्य में शिक्षकों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग नितांत आवश्यक है। इसलिए ग्रामों में एस एम सी का गठन हमेशा मिल बैठकर लिया जाना चाहिए। उक्त विचार ए पी इंटर कॉलेज मनकापुर के प्रांगण में आयोजित ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बी डीओ/एसडीएम (न्यायिक) शत्रुघ्न पाठक ने व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी विशाल यादव तथा संचालन गिरीश पाडेय ने किया। इसके पूर्व ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी विशाल यादव, लेखाकार मनीष कुमार शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभय कुमार गिरी(बाबा) ने संयुक्त रुप से मुख्य अतिथि / विशिष्ट अतिथि समेत अन्य गणमान्य अतिथियों का माल्यार्पण कर एंव बैच लगा कर स्वागत किया गया । सर्व प्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम न्यायिक शत्रुघ्न पाठक/ विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख जगदेव चौधरी, चेयरमैन प्रदीप कुमार गुप्ता, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि यूपी सिंह, सभासद/ किसान मोर्चा जिला मंत्री वैभव सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण/ दीप प्रज्वलित कर समारोह का

शुभारंभ किया । कार्यक्रम में ऑपरेशन कायाकल्प, डीबीटी ,शारदा समर्थ कार्यक्रम,विद्यालय विकास योजना, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सोशल ऑडिट, आंगनवाड़ी केंद्रों से समन्वय व सुविधाओं के साथ–साथ विकास कार्यों में ग्राम प्रधानों के दायित्व,आउट आफ स्कूल, एस एम सी ,के गठन पर विस्तृत चर्चा की गयी।इस अवसर पर सभासद पटेल नगर अखंड प्रताप सिंह ,सभासद प्रतिनिधि सुभाष नगर बबलू सोनी ,राजेश मौर्य ,श्याम नारायण (कुल्ली),आशू त्रिपाठी, आर पी विजय प्रकाश शुक्ला, देव प्रकाश पांडे , अमरेंद्र सिंह, राजेश सिंह, आनंद मिश्रा ,चंद्र प्रकाश दुबे, सुनील गुप्ता (गुरू जी) ,जनार्दन वर्मा, बाबूलाल, राजकुमार ,अंगद, भूपेंद्र मिश्रा ,शान मोहम्मद , मंगल शुक्ला , काशीराम ,चांद अली , संजय मौर्य,अब्दुल रब, योगेश श्रीवास्तव, घनश्याम सिंह ,आलोक श्रीवास्तव ,अध्यक्ष अनिल दुबे, लक्ष्मी मिश्रा ,कल्पना सिंह, सुनीता सिंह रामगोपाल ,राजेश वर्मा ,मनीष वर्मा ,विनोद शुक्ला, प्रमोद पांडे, रामफेर मौर्य ,देवेंद्र मिश्रा, प्रधान प्रतिनिधि राघवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान रमाकांत सिंह, प्रधान प्रतिनिधि सोनू सिंह , आदर्श गिरी समेत दर्जनों ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष शारदा कांत के पाण्डेय आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

अवध की आवाज ब्यूरा

मनकापुर गोंडा। हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष शारदा कांत पाण्डेय के आगमन पर हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया, जिला अध्यक्ष के हलधार मऊ पहाड़ा पुर चौराहे आगमन पर ब्लॉक उपाध्यक्ष रजनीश पाण्डेय के नेतृत्व में का भव्य स्वागत किया गया। हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष पलटन पुरवा में एक विवाह एक कार्यक्रम में पहुंचे,हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष शारदा कांत पाण्डेय ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी और अध्यक्ष की पहचान कार्यकर्ताओं से होती है। इसलिए आप सभी अपने कार्यशैली से समाज के हर व्यक्ति को सम्मान दें तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों को मजबूत करते हुए नए भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष शारदा कांत पांडे बराव न्याय पंचायत हिंदू युवा वाहिनी के कार्यालय पर व भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता कार्यक्रम में पहुंचे जहां पर जिला अध्यक्ष का अरुण तिवारी ने स्वागत किया, जिला अध्यक्ष ने अरुण तिवारी की सराहना करते हुए कहा कि अरुण तिवारी ने भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता कार्यक्रम चलाकर 501 लोगों को भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान में जोड़ा है। जिला अध्यक्ष ने अरुण तिवारी को धन्यवाद दिया, हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष शारदा कांत पाण्डेय ने बताया कि हिंदू युवा वाहिनी के हर कार्यकर्ता घर घर जाकर भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाने का कार्य कर रहे हैं, और देश के प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों को सार्थक

कर रहे हैं। वही हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता अरुण कुमार तिवारी ने संकल्प लिया है कि तीन दिवस में पूरे न्याय पंचायत में भारतीय जनता पार्टी के 1100, सौ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इस अवसर पर धनंजय मणि त्रिपाठी, मुरलीधर तिवारी, राघवेंद्र तिवारी, राजू तिवारी, भोले गुप्ता, विजय दुबे, स्वामीनाथ वर्मा, सुमित, आनंद मिश्रा, किशन गुप्ता, आदि हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिम्मेदारों ने समस्याओं से फेरा मुँह , कीचड़ व गड्ढों में गिर रहे लोग

बदहालिया स्थिति देख नही रेंगी नगरपालिका के कानों में जूँ

उरई जालौन। अगर देखा जाए रास्ते व नाली को लेकर गाँव व कस्बे में समस्याएँ का होना स्वाभाविक है लेकिन यही समस्याएँ जब नगरपालिका में होने लग जाये तो इसे सिर्फ महज अनदेखी ही नही कहा जा सकता हालांकि इस बात को असल मायनों में देखा जाये तो जनपद का मुख्यालय उरई को मघना गया है कप्तान ऑफिस , डीएम कार्यालय , न जाने कितने उच्चाधिकारी से लेकर राजनेता भी अपनी राजनीति की शुरुआत इसी मुख्यालय से करते है लेकिन तो वहीं एक बड़ी बात यह भी है कि दूर दराज , क्षेत्रीय , ग्रामीणांचल से आये लोगों ने निवास बनाकर एक अच्छा खासा नगर पालिका घोषित कर दिया व उरई का विस्तार दिन दूना रात चौगना बढ़ता ही गया लेकिन मुख्य बात है भी है कि उरई ने विस्तार तो बढ़ा दिया मॉडल सिटी , कालोनियों व हवेलियाँ खड़ी होने से नगरपालिका में चार चांद लग गये लेकिन इस नगरपालिका के अन्तर्गत अभी भी उरई के सुशील नगर के ऑफिसर कॉलोनी शिवा पैलेस के पास बारह नंबर टयूवेल के पास व जालौन बाईपास अन्य दर्जनों भर मुहल्ले ऐसे है जहाँ पानी के निकास में नाली नही तो बरसात के समय रास्ता नही इन समस्याओं में जूझ रहे लोगों को एक गम्भीर मुसीबत से गुजरना पड़ रहा है तो वहीं गली मुहल्ले में निवास कर रहे लोगों को नगरपालिका की रहनुमायी का इंतजार है कि इस मुसीबत नाम की समस्या का समाधान कब होगा हालांकि यदि देखा जाये तो खबरों का प्रकाशन भी होने पर जिम्मेदारों के कानों में जूँ तक नही रेंगती व समस्याओं से परेशान रहवासी आज भी बदहालियां स्थिति जीने पर मजबूर है वही गड्ढे व कीचड़ लोगों के लिए बदहाली का मंजर है इन समस्याओं में आलाधिकारी से लेकर जिम्मेदार सभी मुँह फेरते ही दिखाई दिये ।

२०२२ आगामी विधानसभा निर्वाचन से संबंधित तैयारियों के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में एसपी ने लिया प्रतिभाग,

अवध की आवाज ब्यूरा

गोंडा। 2022 आगामी चुनाव के दृष्टिगत मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ जनपद गोंडा के एसपी ने बातचीत किया और इसके बारे में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के द्वारा विषय पर चर्चा हुई। विधानसभासामान्यनिर्वाचन–2022 से संबंधित तैयारियों के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में प्रतिभाग करते हुए पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा।

कार के पेड़ से टकराने से तीन लोगों कि मौत, दो घायल

प्रतापगढ़ (वेब वार्ता)। जिले के थाना कोहडौर क्षेत्र के लाखींपुर गांव के निकट एक कार के पेड़ से टकरा जाने के कारण एक बालिका सहित तीन लोगों कि मौत हो गयी, जबकि दो लोग घायल हो गये। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाध्ीक्षक (क्षेत्राधिकारी) नगर अभय पाण्डेय ने बताया कि ये लोग जिला बस्ती से कार से प्रयागराज तिलक चढ़ाने गए थे, जहां से वापसी में अयोध्या प्रयागराज राजमार्ग पर थाना कोहड़ौर क्षेत्र के लाखीपुर गांव के निकट बुधवार की रात कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा कर एक दुकान में घुस गयी। इस दुर्घटना में हरीशंकर सिंह (60), आरती सिंह (14), सुशील सिंह (24), सुरेन्द्र (54) व देवीकरन (40) सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। चिकित्सकों ने हरीशंकर, आरती और सुशील को मश्त घोषित कर दिया। दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एसआरएन अस्पताल, प्रयागराज भेज दिया गया है। पुलिस तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दो दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बीआरसी झंझरी के प्राथमिक विद्यालय दर्जी कुआं के प्रांगण में आयोजित की गई जिसमें झंझरी ब्लॉक के समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री और रेडिनस के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त सहायक अध्यापक ने प्रतिभाग किया सरकार की मंशा के अनुसार शाला पूर्व शिक्षा के लिए प्राथमिक विद्यालयों में प्री प्राइमरी कक्षाओं का संचालन के लिए 3 से 6 वर्ष के बच्चों का आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा 1 अप्रैल 2022 से नए शिक्षा सत्र में विद्यालय में संचालन होना इसके संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी श्री कोमल यादव सीडीपीओ धर्मेंद्र कुमार गौतम एसआरजी कमलेश कुमार पांडे नोडल शिक्षक मोहम्मद अनीस ए आर पी संजीव कुमार मिश्र राहुल देव वर्मा डायट मेंटर रेनू राव ने बाल पुष्टाहार एवं बेसिक शिक्षा को एक साथ काम करने पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

कैंट क्षेत्र के 8000 स्कूली बच्चों ने फाइलेरिया से बचाव की दवा का किया सेवन

लखनऊ। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत जनपद में 22 नवंबर से सात दिसम्बर तक सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम चलाया गया। इसके तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा

फाइलेरिया से बचाव की दवा घर–घर जाकर खिलाई गई। इसी क्रम में कैंट क्षेत्र के पाँच विद्यालयों आर्मी पब्लिक स्कूल, 1,2,3 और सूर्या पूर्व प्राथमिक विद्यालय व एएमसी पूर्व प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को भी दवा का सेवन कराया गया। 22 नवंबर से अभी तक करीब 8000 बच्चों ने फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन किया। यह जानकारी मेजर अभिजीत सिंह ने दी।

मेजर अभिजीत ने बताया– दस दिवसीय अभियान के दौरान लगभग 8000 बच्चों ने दवा का सेवन किया। किसी भी बच्चे में दवा का दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला है। इस अभियान में पाथ संस्था की डा. पूनम मिश्रा और पीसीआई संस्था की सोनी शर्मा का काफी सहयोग रहा।

आर्मी पब्लिक स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा उपासना यादव और निधि सिंह ने बताया दृ हमने दवा का सेवन किया है। हमें कोई दिक्कत नहीं हुई।

हेल्थ इंस्पेक्टर जी.सी. पांडे ने बताया– फाइलेरिया से बचाव ही इसका सबसे सही इलाज है। लगातार पाँच साल तक साल में एक बार फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन करने से इससे बचा जा सकता है।

एनटीपीसी सिंगरौली, शक्तिनगर में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का शुभारंभ

अवध की आवाज ब्यूरो

मध्य प्रदेश। एनटीपीसी सिंगरौलीएशक्तिनगर में आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय बसुराज गोस्वामी, मुख्य महाप्रबंधक द्वारा किया गया। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के तहत 8/12/21 से 14/12/21 तक ऊर्जा एवं दक्षता प्रबंधन समूह द्वारा ऊर्जा संरक्षण से संबंधित चित्रकला, कहानी लेखन, निबंध, नारा, भाषण, प्रश्नोत्तरी, सुझाव प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है ताकि ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देकर कर्मचारी, बच्चों, महिलाओं, सीआईएसएफ को प्रोत्साहित किया जा सके एवं जन–जन में ऊर्जा संरक्षण के संदेश को प्रसारित किया जा सके। इस अवसर पर बसुराज गोस्वामी, मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऊर्जा संरक्षण के माध्यम से हम ऊर्जावान राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। एनटीपीसी सदैव ऊर्जा संरक्षण के लिए अग्रसर है एवं ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा की ऊर्जा संरक्षण हेतु सिंगरौली में सोलर रूफ टॉप, एनर्जी एफिफसिएंट पम्प, वीएफडी स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर बसुराज द्वारा सभी कर्मचारियों

को ऊर्जा संरक्षण शपथ दिलाई गई। बसुराज गोस्वामी ने सभी से अनुरोध किया की देश एवं समाज के विकास के लिए ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दें एवं आमजन को ऊर्जा संरक्षण हेतु जागरूक करने के प्रयास करें।

सी एस श्रीनिवास, महाप्रबंधक (प्रचालन व अनुरक्षण), ने अपने विचार व्यक्त करते हुए ऊर्जा संरक्षण के महत्व को समझने एवं नई तकनीक को अपनाने पर ज़ोर दिया। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के कार्यक्रमों एवं उद्देश्यों के बारे में मनोज बरसियाँ ने सभी को विस्तार से अवगत कराया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय बसुराज गोस्वामी, मुख्य महाप्रबंधक, सी एस श्रीनिवास, महाप्रबंधक (प्रचालन व अनुरक्षण), सोमनाथ चट्टोपाध्याय, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन), के गोपाला कृष्ण, महाप्रबंधक (ऐश हैंडिलिंग), बी.एन.झा, महाप्रबंधक (मेकैनिकल अनुरक्षण),विभागाध्यक्ष, कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

पुरानी रंजिश के कारण अंगूरी गांव में सिलबट्टी व चाकू से गोदकर अधेड़ की हत्या पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे

अवध की आवाज ब्यूरो

पुखरायां कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अंगूरी गांव में आज रात में पुरानी रंजिश के कारण पारिवारिक भतीजे ने पहले सिलबट्ट से बाद में चाकू से मार कर हत्या कर दी स पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं सवही समाचार लिखे जाने तक भोगनीपुर पुलिस को हत्या का आरोपी को गिरफ्तार करने में भी सफलता मिली है स मिली जानकारी के अनुसार अंगुरी गांव निवासी राम किशोर द्विवेदी 55 वर्ष गांव में रहते थे जो मानसिक रूप से भी कुछ विक्षिप्त थे । उनके दोनों बच्चे पूजा व अभिषेक गुजराइ लालपुर थाना गजनेर मैं अपने मौसी के यहां रहते थे। राम किशोर द्विवेदी मानसिक रूप से बीमार होने के कारण घर में अकेले ही रहते थे ।उनकी पत्नी का लगभग 18 वर्ष पूर्व निधन हो गया था । वही पारिवारिक भतीजे मोहित द्विवेदी उर्फ वौरा पुत्र सरोज दुबे कि मंगलवार को किसी बात को लेकर रामकिशोर की कहासुनी हो गई थी जिस पर दोनों रंजिश ही मानते हैं इसके पूर्व भी मोहित द्विवेदी उर्फ वरा के पिता सरोज दुबे की भी पारिवारिक लोगों ने हत्या कर दी थी । हत्या के आरोप में कई लोग जेल में बंद है ।मोहित द्विवेदी उर्फ बौरा उसको भी पुरानी रंजिश मानता है । रामकिशोर के भाई रामाश्रय ने बताया कि उसका भाई राम किशोर घर के बाहर लेटा था रात में वौरा चाहर दीवारी फांद कर घर के अंदर घुस गया और दोनों में कहासुनी होने लगी तथा दोनों में छीना झपटी भी

हुई है वौरा ने मौका पाकर पास ही रखें सिलबट्टे से उसके सर में मार मार कर घायल कर दिया और बाद में चाकू से राम किशोर की हत्या भी कर दी । हत्या करने के बाद मोहित द्विवेदी उर्फ बौरा खेतों की तरफ चला गया मोहल्ले वालों ने घटना की सूचना भोगनीपुर थाने में भी ।भोगनीपुर थाने के कोतवाल राजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और हत्या की सूचना क्षेत्राधिकारी प्रभात कुमार व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी को भी दी । पुलिस अधीक्षक फॉरेंसिक टीम को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस की चार टीमें मोहित द्विवेदी के तलाश में आसपास गांव में घूम ही रही थी कि भोगनीपुर थाने के उप निरीक्षक अजय कुमार को मोहित द्विवेदी उर्फ बावरा शुखसंरा गांव के पास खेतों की तरफ जाते हुए दिखाई दिया जिस पर पूछताछ में अजय कुमार ने उसे गिरफ्तार कर लिया। और भोगनीपुर लाए। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने थाने में बताया कि हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

नाबालिग लड़की को पकड़ कर ले जाने वाले युवक को ग्रामीणों ने दबोचा

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा । करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत एक गाँव मे बच्ची को पकड़ कर ले जाने की कोशिश करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज होने संबंधी कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पिता को खाना देने जा रही करीब 6 वर्षीय लड़की का अपहरण करने की कोशिश कर रहे एक शातिर युवक को ग्रामीणों ने दबोच लिया था। सम्पूर्ण मामला ग्राम पंचायत कुम्हरौरा से जुड़ा बताया जा रहा है जहां दो नन्हीं बच्चियां अपने पिता को खाना देने जा रही थी तभी घर के समीप स्थित नहर के पास एक शातिर व्यक्ति एक नन्ही बच्ची का मुंह दबोच कर उसे लेकर फरार होने लगा जिससे उसके साथ मौजूद छोटी बहन द्वारा हल्ला गुहार करने पर खेतों में काम कर रहे तमाम ग्रामीण दौड़े तथा आरोपी को खदेड़ा आरोपी द्वारा नन्ही बच्ची को झाड़ियों में फेंक दिया गया जिससे वह घायल हो गई। इस मामले से ग्रामीणों में भय व आक्रोश व्याप्त है। वही ग्रामीणों ने पूरे मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को देने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया था कि आरोपी बालिका से छेड़खानी का प्रयास कर रहा था जिसे ग्रामीणों ने मारा पीटा है जिससे आरोपी को इलाज हेतु भेजवाया गया है। तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी। वहीं समाचार लिखे जाने घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज करने की कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

संयुक्तकिसान मोर्चा द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान विजय यात्रा ट्रैक्टर रैली का शुभारंभ

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर । संयुक्त किसान मोर्चा सीतापुर द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान विजय यात्रा ट्रैक्टर रैली का शुभारंभ गल्ला मंडी सीतापुर से किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू , शिव प्रकाश सिंह प्रदेश प्रभारी किसान मंच,उमेश पाण्डे भारतीय किसान यूनियन,ऋचा सिंह संगतिन मजदूर किसान मोर्चा,अल्पना सिंह प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ किसान मंच, गुरुपाल सिंह अध्यक्ष सिख संगठन की अगुवाई में संपन्न हुआ!गल्ला मंडी सीतापुर से शाहजहांपुर चुंगी चौकी से लालबाग होकर बस अड्डे चौराहे से पी एस सी मैदान आंख अस्पताल के पड़ोस में कार्यक्रम का समापन उपस्थित किसानों के साथ भविष्य की रणनीति और एम एस पी सहित किसानों की शेष समस्याओं पर चर्चा की गई!उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए पिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि यह किसानों की एकजुटता का परिणाम है जिसने लोकतंत्र की हत्या कर रही भाजपा सरकार के अपने अब तक के कार्यकाल में घुटनों के

बल झुकने के लिए मजबूर कर दिया! शिव प्रकाश सिंह ने कहा जनपद सीतापुर में किसान आन्दोलन की रूपरेखा तैयार कर,मा० राकेश टिकैत जी के सफल कार्यक्रम से,समूचे देश में संदेश पहुंचाने में सफल रहा,कि आंदोलन सीमित दायरे में न होकर समूचे देश में फैल चुका है! उमेश पाण्डे ने किसानों के अगुआ राकेश टिकैत की सराहना करते हुए उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति का धनी बताते हुए कहा, कि मिली हुई सफलता उसी का परिणाम है!ऋचा सिंह ने किसानों और मजदूरों को भविष्य की ज्वलंत समस्याओं से निपटने के लिए भविष्य के लिए रणनीति बनाने पर बल दिया!अल्पना सिंह ने कहा कि गूंगी बहरी सत्तारूढ़ भाजपा गरीबों और किसानों को गुमराह कर अपना उल्लू सीधा कर रही है!गुरुपाल सिंह ने चेतावनी के अंदाज में सीतापुर जिला प्रशासन से कहा कि हम किसानों के लिए बार बार आंदोलन और धरना प्रदर्शन के बगैर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए! कार्यक्रम में निर्भय सिंह, वीरेंद्र यादव, सरदार जसविंदर सिंह, गुरु साहब,गुरुपेज सिंह, सुखदेव सिंह सिध्दू,जरनैल सिंह,बलजीत सिंह, आजाद,अनिल कुमार, शिवम् सिंह,दिव्य सिंह,मोनू सिंह आदि मौजूद थे!

एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने से होगी आय दोगुनी: डॉ0 सिंह

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। कषि विज्ञान केन्द्र अम्बरपुर, सीतापुर के तत्वाधान में इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ में अध्ययनरत कृषि स्नातक चतुर्थ वर्ष की छात्राओं का ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम संचालित है। जिसके अन्तर्गत केन्द्र द्वारा सुकृति गुप्ता के नेतृत्व में श्रेया सिंह, मुस्कान गुप्ता, नैन्सी, शिल्पी किरन, प्रिया, हर्षिता एवं मेघना के समूह को सिधौली विकास खण्ड का सहजनपुर गांव आवंटित किया गया था। छात्राओं ने केन्द्र के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत के आधारभूत आंकड़ों का संकलन किया, खेती – किसानी की परिस्थितियों, किसानों की समस्याओं आदि का ग्रामवासियों के सहयोग से विधिवत अध्ययन किया एवं विशेष गतिविधि के अन्तर्गत ग्रामवासियों को स्वच्छता जागरूकता अभियान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अन्त में किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने एवं उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करने हेतु एक कृषि गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। गोष्ठी की शुरुआत में नैन्सी ने गोष्ठी में आए हुए अतिथियों एवं महिला एवं पुरूष किसान भाइयों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तत्पश्चात सभी छात्राओं ने अपने द्वारा किए गए कार्यों एवं किसानों की समस्याओं पर चर्चा की। तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंह ने एकीकृत कृषि प्रणाली, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट के कारण एवं उनके सुधारात्मक उपाय, फसलों की लागत कम करने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि एवं उचित मूल्य प्राप्त करने के तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए फलों तथा

सब्जियों में मूल्य संवर्धन पर जानकारी प्रदान की। डॉ0 सिंह ने अपने सम्बोधन में किसानों सुझाव दिया कि यदि आप लोग खेती – किसानी के तकनीकी पहलुओं को ध्यानपूर्वक अपनाएंगे तो अवश्य ही फसलों की लागत में कमी आएगी तथा सही समय पर गतिविधियों को करने एवं उचित देखभाल करने पर गुणवत्ता युक्त उत्पादन में वृद्धि होगी जिसके फलस्वरूप बाजार में उसका उचित मूल्य प्राप्त होगा। यदि बाजार में हमें और अधिक मूल्य प्राप्त करना है तो फसल उत्पादों में मूल्य संवर्धन करना होगा। कृषि को उद्यम का रुप देने एवं टिकाऊ बनाने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाना आवश्यक है जिससे किसानों की आय तो दोगुनी होगी ही साथ ही साथ समय–समय पर धनार्जन होता रहेगा जिससे कभी भी धनाभाव का सामना नहीं करना होगा। वैज्ञानिक अमरनाथ सिंह ने पशुओं की साफ सफाई, फसल अवशेष प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। अंत में किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर सहजनपुर गांव की प्रधान गीतांजलि, प्रगतिशील किसान रामकली, सरस्वती, सरजू प्रसाद गौतम एवं मनोज विश्वकर्मा ने छात्राओं द्वारा गांव में किए गए कार्यों की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अन्त में सुकृति गुप्ता ने समस्त आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बलेनो की अब तक १० लाख इकाइयां बिकीं: मारुति सुजुकी

नई दिल्ली,(वेब वार्ता)। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने बशहस्पतिवार को कहा कि उसकी प्रीमियम हैचबैक बलेनो ने 10 लाख इकाई की कुल बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने एक बयान में कहा, अक्टूबर 2015 में पेश किए गए और कंपनी की प्रीमियम खुदरा चेन नेक्सा के माध्यम से बेचे जाने वाले मॉडल ने नवंबर 2018 में कुल पांच लाख इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया था और इस साल नवंबर में इसने 10 लाख इकाई का मुकाम हासिल कर लिया। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि पेश किए जाने के बाद से, बलेनो प्रीमियम हैचबैक वर्ग में सबसे आगे रही है और इसने 25 प्रतिशत से अधिक की बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। उन्होंने उम्मीद जताया कि यह मॉडल भविष्य में और नई ऊंचाइयां छुएगा। बलेनो कार 1.2–लीटर पेट्रोल इंजन से लैस है और यह ग्राहकों को सुजुकी की स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक का विकल्प प्रदान करती है। देश के 248 शहरों में स्थित नेक्सा के 399 आउटलेट के माध्यम से इसकी बिक्री की जाती है।

अखिलेश यादव बोले- लाल रंग हनुमानजी का है, भाजपा को लाल टोपी का डर सता रहा है

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा नेताओं को लाल टोपी का डर सता रहा है। उन्हें अपना राजनीतिक अस्तित्व खतरे में लग रहा है। भाजपा की लाल बत्ती गुल होने वाली है। इस सच्चाई से भाजपा अच्छी तरह परिचित हो गई है। यही वजह है कि वह समाजवादी पार्टी पर अनर्गल आरोप लगाने लगी है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय संस्कृति का राग अलापने वाले भाजपा नेताओं को यह नहीं पता है कि लाल रंग हनुमानजी का है। जीवन में लाल रंग बदलाव और खुशहाली का प्रतीक है। लेकिन, भाजपा इस बात को समझने को तैयार नहीं है। उसकी नीतियां नफरत फैलाने वाली है। भाजपा नेताओं को देश की भावनाओं से कोई लेना देना नहीं। किसानों, नौजवानों की समस्याओं के प्रति उसका रुख उपेक्षापूर्ण है। किसानों से किए गए वादों को भाजपा भूल गई है। यही नहीं उसने अपने चुनाव संकल्प पत्र में जो वादे किए थे उन्हें भी वह कूड़े में डाल चुकी है। नौजवानों को रोजगार के झूठे आंकड़ों से भ्रमित किया जाता है। उन्होंने कहा कि संसदीय जनतंत्र में भाषा और व्यवहार की मर्यादा से दल और व्यक्ति का परिचय होता है। भाजपा नेतृत्व में भाषा का संयम मिटता जा रहा है। उसका आचरण भी मर्यादा लांघता नजर आने लगा है। सत्ताशीर्ष से विपक्षी नेताओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग कर व्यक्तिगत आरोप लगाया जाना लोकतंत्र में अवांछनीय है। उन्होंने कहा कि भाजपा को वर्ष 2022 में सपा को मिलने वाले जनाधार का अंदाजा लग गया है। ऐसे में वह व्यक्तिगत आरोप लगाने में भी पीछे नहीं रह रही है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। अवध की आवाज में हिंदी दैनिक समाचार से प्रकाशित हुई थी खबर खबर का हुआ असर चोरी केअभियुक्त को मय एक अदद तमंचा व 2 अदद कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन अपर पुलिस अधीक्षक महोदय व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय बीघापुर के आदेशानुसार अचलगंज पुलिस सहित बदरका चौकी इंचार्ज ने दिखाई सक्रियता खबर काहुआ असर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए चोरी करने वाले अभियुक्त को भेजा जेल।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र बदरका, बदरका क्षेत्र से फिर आ रही बड़ी खबर चोरों का कहर पुलिस के लिए बड़ी चुनौती पूर्व में हुई बदरका क्षेत्र में चोरी की बड़ी घटना अभी खुल ही नहीं पाई बदरका चौकी की कुछ ही दूरी पर राज मेडिकल स्टोर चोरों ने फिर दिया अंजाम चोरी को लेकर बदरका क्षेत्र में हो रही चर्चा किस तरीके से बदरका क्षेत्र में रुकेंगे चोरीदेखो कप्तान साहब क्या लेते हैं निर्णय मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी वाह अचलगंज स्टोर वाह बदरका चौकी इंचार्ज देखो उच्च अधिकारियों द्वारा हो रहे क्षेत्र में चोरी रोकने के विषय में क्या लिया जाता है निर्णय।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।